चमत्कारी पत्थर है "हकीक"

रत्नों का संसार विस्तृत है ही, प्राचीन भी है। प्राचीनकाल से ही भारत में रत्नों का विविध रूपों में प्रयोग होता आया है। यह भी नहीं कि रत्नों के गुण-धर्म की पहचान भी आधुनिक हो। हमारे मनीषियों को सभी पत्थरों के गुणों का पूर्णरूपेण ज्ञान था। आज तो हम मात्र उनके बताये गुणों के आधार पर रत्नों का प्रयोग-भर करते हैं।

नवग्रहों से संबंधित रत्नों के अलावा भी कुछ ऐसे पत्थर हैं, जिनकी गणना रत्नों में की जाती है, और जिनके धारण करने से अनेक प्रकार की बाधायें दूर हो जाती है। विभिन्न शारीरिक व्याधियों, देवी आपदाओं और भौतिक संकटों के निवारण में ये रत्न बड़ा चमत्कारी प्रभाव दिखाते हैं। अपने गुण-धर्म के लिए विख्यात ये रत्न न केवल भारतीय संस्कृति में, वरन् यवन और अंग्रेजी संस्कृति में भी सम्मानित है।

हकीक पत्थर-

हिन्दी का अकीक उर्दू में हकीक और अंग्रेजी में अगेट के नाम से जाना जाता है। रासायनिक विश्लेषण के अनुसार यह सिकता (सिलिका-बालू) का यौगिक होता है। इसे सिक्य स्फटिक भी कहते हैं। इस सिकता यौगिक में अलमोनियम, आयरन ऑक्साइड, मैगनीज ऑक्साइड आदि पदार्थों का अंश मिला रहता है। यह अपारदर्शक पत्थर है, वैसे कहीं-कहीं पारदर्शी रूप में भी प्राप्त हो जाता है। इसकी कठोरता का माप साढ़े छः से सात तक है और इसकी सापेक्षिक गुरूता 20.60 तक पायी जाती है। इसकी उपलब्धि ज्वालामुखी पर्वतों के आस-पास होती है। भारत में यह पत्थर बहुत अधिक मात्रा में मिलता है। संसार के अन्य कई क्षेत्रों में भी यह प्रचुरता से सुलभ है।

लाल, काले, पीले, सफेद, मिश्रित और हरे रंग में भी प्राप्त होने वाले इस चिकने और चमक वाले पत्थर का सौन्दर्य, सचमुच बड़ा मोहक होता है।

कोई भी हकीक पहना जाय, तो निश्चित है उसे धारण करने वाला व्यक्ति भूत-प्रेत, नजर, जादू-टोना, तंत्र-मंत्र और शत्रुभय से सुरक्षित रहता है। शुद्ध हकीक सौभाग्यवर्धक होता है और इसे धारण करने वाला व्यक्ति प्रेम सम्मान भी पाता है। दरिद्रता-निवारण में हकीक को प्रभावी रत्न की भाँती पहना जाता है।

कालिमायुक्त, काला अथवा गहरे श्यामवर्ण का एक हकीक बहुत ही चिकना और चमकीला होता है। इस पर प्रायः सफेद रंग की धारियां पड़ी होती है, या गोल चक्र बने होते हैं। ऐसे सफेद रंग के चक्रों या धारियों से घिरा हुआ यह पत्थर 'गौरी' कहलाता है। इसके शिवलिंग विशेष रूप से पूज्य-पवित्र माने जाते हैं। इसको धारण करने से भी हकीक के समस्त गुणों का लाभ प्राप्त होता है।

हकीक पत्थर का तांत्रिक क्षेत्र में भी बहुत महत्व है। विभिन्न टोटको एवं प्रयोगों में हकीक पत्थर का उपयोग बहुतायत से किया जाता है। हकीक पत्थर लक्ष्मी का प्रतीक भी माना गया है, इसीलिये कहा गया है कि जिसके घर में हकीक होता है वह कभी दरिद्र हो ही नहीं सकता। हकीक पत्थर का विभिन्न पूजा-पाठों, साधनाओं एवं उपासनाओं में उपयोग किया जाता है। नीचे हकीक पत्थर के कुछ महत्वपूर्ण प्रयोग दिये जा रहे हैं जिन्हें दीपावली के पावन पर्व पर सम्पन्न कर आप भी लक्ष्मी की कृपा दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं, लक्ष्मी को अपने यहाँ आमन्त्रण दे सकते हैं। आईये हकीक के कुछ लाभदायक प्रयोग करें-

(1) हकीक अपने आप में लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है, जिसके घर में दरिद्रता हो उसको चाहिए कि दीपावली के दिन मंत्र सिद्ध 21 हकीक पत्थर लेकर जमीन में गाड़ दे तो उस दिन से ही उसके घर में आर्थिक उन्नति होने लगती है।

(2) जो व्यक्ति श्रेष्ठ धन की इच्छा रखते हैं उनको चाहिए कि दीपावली की रात्रि में 27 हकीक पत्थर लेकर उसके ऊपर लक्ष्मी का चित्र या विग्रह स्थापित करें, तो निश्चय ही उसके घर में आर्थिक उन्नति होती ही रहती है।

(3) यदि 11 हकीक पत्थर लेकर किसी मंदिर में चढ़ा दें और कहें कि मैं अमुक कार्य में विजय होना चाहता हूँ तो निश्चय ही उस कार्य में विजय प्राप्त करता है।

(4) यदि 11 हकीक पत्थर पर शत्रु का नाम लेकर यदि जमीन में गाड़ दें तो उसी समय से शत्रु का पतन प्रारम्भ हो जाता है।

(5) दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन के समय 8 हकीक लक्ष्मी जी के चरणों में रखें। पूजन के उपरान्त अर्द्धरात्रि में इन हकीक पत्थरों को घर के किसी कोने में भूमि खोद कर गाड़ दें। इस प्रयोग से लक्ष्मी आप पर प्रसन्न होंगी और शीघ्र ही आर्थिक रूप से उन्नति का अनुभव करेंगे।

(6) दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन के पश्चात् 12 हकीक पत्थर अपने दायें हाथ की मुट्ठी में बंद कर लें और फिर 'श्री' शब्द का 21 बार मानसिक जाप अर्थात् मन में जाप करें और फिर इन पत्थरों को अपने गल्ले में, बॉक्स में, तिजोरी आदि में रखें। आप देखेंगे कि नित्य प्रति आय की आवक बढ़ रही है।

(7) ऐसे व्यक्ति जो आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं उन्हें तो यह प्रयोग अवश्य ही करना चाहिये। दीपावली के दिन रात्रि में पूजा-उपासना करने के पश्चात् एक हकीक माला लें और उससे 108 बार "ॐ ह्रीं ह्रीं श्रीं श्रीं लक्ष्मी वासुदेवाय नमः" मंत्र का जाप करें। इसके बाद इस माला को अपने पूजा घर में रखें अथवा माँ लक्ष्मी के चित्र पर चढ़ा दें। शीघ्र ही आप स्वयं को आर्थिक रूप से दृढ़ पायेंगे।

प्रति सिद्ध हकीक पत्थर न्यौछावर रु. 21/- ♦♦♦